

खबर संक्षेप

आईटीआई रावलधी में रोजगार मेला कल

चरखी दादरी। जिले के युवाओं को रोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए 21 सितंबर को शहीद नरेंद्र कुमार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रावलधी में जिला स्तरीय मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी मुख्यतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। रोजगार मेले में 50 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए करीब 900 से अधिक अप्रेंटिस एवं प्लेसमेंट अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। प्रधानाचार्य जीतपाल ने युवाओं से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर अवसरों का लाभ उठाने की अपील की।

आरोपी को हेरोइन के साथ किया गिरफ्तार

तोशाम। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सैल भिवानी की टीम ने आरोपी को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 17.59 हेरोइन बरामद की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एंटी नारकोटिक्स सैल भिवानी के इंचार्ज उपनिरीक्षक रमेश कुमार अपनी टीम के साथ हांसी चुंगी, तोशाम में गश्त एवं पड़ताल इ्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति तोशाम-भिवानी बाईपास स्थित पेट्रोल पंप के पास मादक पदार्थ लेकर खड़ा है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 17.59 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान विक्रम पुत्र कृष्ण, निवासी राजीव नगर, तोशाम के रूप में हुई है।

सरकार के फैसले अनुसार निदेशक मौलिक शिक्षा ने की प्रदेशभर के 103 विद्यालयों के मर्जर की तैयारी कायला, सांगा, पातवान व लीलस के एक-एक प्राथमिक विद्यालय हो सकते हैं मर्जर, सरकार ने लिया फैसला

स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या 100 से भी कम

राकेश मटटी ►► भिवानी

सरकार ने प्रदेशभर के 103 राजकीय प्राथमिक एवं राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालयों को मर्जर करने का निर्णय लिया है, क्योंकि ये राजकीय प्राथमिक विद्यालय 100 मीटर के दायरे में लड़के-लड़कियों के अलग-अलग संचालित हैं और इनमें छात्र संख्या भी 100 से कम है। वहीं राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने इसे सरकार की नाकामी एवं शिक्षकों की गैरशिक्षण कार्यों में ड्यूटियां लगाने एवं विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त होने का खामियाजा बताया है। जिले के गांव कायला, सांगा, बहल खंड के पातवान व सिवानी खंड के लीलस में लड़के-लड़कियों के अलग-अलग दो-दो राजकीय प्राथमिक एवं राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं, जिनमें छात्र संख्या 100 से काफी कम है। सरकार के फैसले अनुसार जिले के आठ प्राथमिक विद्यालय चार में मर्जर हुए तो आधे शिक्षक, एमडीएम कुक व पार्ट टाइमकर्मों प्रभावित होंगे, जिसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

प्रदेश सरकार ने प्रदेशभर के 103 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों को मर्जर करने का फैसला लिया है। निदेशक मौलिक शिक्षा हरियाणा ने विद्यालय मर्ज करने को लेकर हिसार, कैथल व फतेहबाद सहित प्रदेश के जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिपोर्ट मांगी है और निदेश भी जारी किए हैं। भिवानी जिले के गांव कायला, सांगा, बहल खंड के पातवान व सिवानी खंड के लीलस के कुल आठ विद्यालय भी इसमें शामिल हैं, जो 100 मीटर के दायरे में लड़के-लड़कियों के अलग-अलग संचालित हैं और इनमें छात्र संख्या भी 100 से कम है। जिले के गांव कायला में राजकीय प्राथमिक विद्यालय में करीब 55 लड़के शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और पांच शिक्षक



कार्यरत हैं। वहीं कायला के जीजीपीएस में लगभग 63 लड़कियां पढ़ रही हैं और दो शिक्षक व दो शिक्षिकाएं कार्यरत हैं। दोनों ही विद्यालयों में मिड डे मील योजना के तहत विद्यार्थियों का खाना पकाने के लिए तीन कुक तथा एक पार्ट टाइम कर्मचारी हैं। इसी तरह सांगा के जीजीपीएस में करीब 77 छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं और दो शिक्षक व दो शिक्षिकाएं कार्यरत हैं। वहीं जीपीएस में लगभग 48 लड़के पढ़ रहे हैं और तीन शिक्षक कार्यरत हैं। दोनों स्कूलों में दो कुक हैं। वहीं विद्यालय में चौकीदार व सफाई कर्मचारी हैं। बहल खंड के पातवान गांव के जीपीएस में 11 लड़के तथा जीजीपीएस में 30 लड़कियां और सिवानी खंड के लीलस में जीपीएस में 30 लड़के व जीजीपीएस में 35 लड़कियां शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। विद्यालय मर्ज हुए तो ऐसी स्थिति में आधा शिक्षक स्टाफ, कुक व पार्ट टाइम कर्मचारी प्रभावित होंगे, जिसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सरकार व निदेशक मौलिक शिक्षा हरियाणा के निदेशानुसार जिस विद्यालय के विद्यार्थी

दूसरे विद्यालय भवन में समायोजित हो जाएंगे तो एक भवन सफेद हाथी बनकर रह जाएगा, जो धीरे-धीरे कंडम एवं खंडहर हो जाएगा। इसी तरह गांव कायला, सांगा व पातवान व लीलस में दो-दो प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं और दोनों विद्यालयों में शिक्षक स्टाफ, एमडीएम कुक व पार्ट टाइम कर्मचारी कार्यरत हैं।

मर्जर की स्थिति में एक साथ पढ़ेंगे लड़के-लड़कियां: 100 मीटर दायरे के अंदर दूसरे भवन में संचालित प्राथमिक पाठशाला को मर्जर कर को-एजुकेशन दी जाएगी। अब लड़के-लड़कियां एक साथ बैठकर शिक्षा ग्रहण करेंगे। निदेशक मौलिक शिक्षा के निदेशानुसार राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय में लड़कियों की संख्या साथ लगे राजकीय प्राथमिक विद्यालय में लड़कों से अधिक हुई तो उसे कन्या विद्यालय में मर्ज किया जाएगा। इसी तरह अगर राजकीय प्राथमिक विद्यालय में लड़कों की संख्या अधिक हुई तो राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय को इसमें मर्ज किया जाएगा।

चरखी दादरी जिले के ये 10 स्कूल हो सकते हैं मर्जर

स्कूलों में कार्यरत कुक कम हेलपों को न हटाया जाए

प्रदेशभर के स्कूलों में मिड डे मील योजना के तहत कुक कम हेलपर 20-22 साल से विद्यार्थियों का खाना बनाने का कार्य कर रही है, जो गरीब, बेसहारा एवं ज्यादातर विधवा महिलाएं हैं, जिनके पास अन्य कोई रोजगार नहीं है। सरकार स्कूलों को मर्जर करने के नाम पर कुक कम हेलपर की नौकरी पर तलवार लटका रही है, जो गरीब एवं बेसहारा महिलाओं के साथ अन्याय एवं अत्याचार होगा। स्कूलों में 15 दिन सर्दी व 30 दिन ग्रीष्मकालीन अवकाश मिलाकर डेढ़ माह की छुट्टियां होती हैं और पूरे स्टाफ को पूरे 12 माह वेतन मिलता है, लेकिन कुकों को मात्र सात हजार रुपये के हिसाब से डेढ़ की बजाय दो माह का वेतन काटकर दिया जाता है। स्कूलों को मर्ज करने की नौबत भी सरकार ने खड़ी की है, क्योंकि हर छोटे बड़े गांवों में एक से दो प्राइवेट स्कूलों को संचालन की मान्यता दे दी, जिससे सरकारी स्कूलों की छात्र संख्या घटती चली गई, जो अंत में मर्ज की नौबत तक पहुंच गई। सरकार बेका नई मर्ती न करे, लेकिन रिटायर्डिज के नजदीक बूढ़ी कुक कम हेलपों को हटाने का अत्याचार न करे, जिससे इनके परिवार की रोजी-रोटी छीन जाए।

-सुबे सिंह, रिटायर्ड हेडमास्टर एवं सलाहकार, मिड डे मील कार्यक्रमों युनियन हरियाणा संबधित एंजाईन्यूट्यूसी

गैरशिक्षण कार्य न लिया जाए तो स्कूल मर्जर की नहीं आए नौबत

शिक्षकों की एसआईआर, जनगणना, उल्लास, एमडीएम की निम्नोदारी सहित अनेक गैरशिक्षण कार्यों में ड्यूटी लगाई जाती है, जिससे स्कूलों में शिक्षण कार्य प्रभावित होता है। मर्ज में जनगणना में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई और बाद में एसआईआर में ड्यूटी लगा दी, जो कि जून से अक्टूबर माह तक बताई जा रही है, ऐसे में शिक्षक मर्ज व जून माह से ही विद्यालय से रिलीव हैं, जो एसआईआर कार्य कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि गैरशिक्षण कार्य शिक्षकों की बजाय बेरोजगार सक्षम युवाओं से करवाए, जिससे बेरोजगारी को रोजगार मिल जाए और स्कूलों का शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। वहीं अनेक स्कूल ऐसे भी हैं जहां पहले से शिक्षक पद रिक्त है, उन पर सरकार ने किसी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की, जिसकारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित रहती है। शिक्षक का काम सिर्फ शिक्षा देना है, उसे पढ़ाई तक ही सीमित रखा जाना चाहिए, ताकि किसी भी सूरत में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो और सरकार व विभाग के सामने विद्यालयों को मर्ज करने की नौबत भी नहीं आती।

-गुपेंद्र चाहर, जिला प्रधान, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, भिवानी

इन विद्यालयों पर लटक रही तलवार: सरकार ने प्रदेशभर के 103 राजकीय प्राथमिक व कन्या विद्यालयों को मर्ज करने का निर्णय लिया है, जिनमें भिवानी जिले के आठ स्कूल शामिल हैं, इसी तरह अंबाला में 18, चरखी दादरी के 10, फरीदाबाद के 6, फतेहबाद के 30, गुरुग्राम के 12, हिसार के 26, झज्जर के 16, जींद के 16, कैथल के 26, कुरुक्षेत्र के 10, महेंद्रगढ़ के 20, रोहतक के दो व सिरसा के चार राजकीय प्राथमिक विद्यालय व राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय सहित 206 विद्यालय शामिल हैं, जो दूसरे 103 विद्यालयों में मर्ज किए जाएंगे।

मिलकपुर में विवाहिता ने लगाया फंदा बीईओ ने खंड के पांच स्कूलों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ►► बवानी खेड़ा

क्षेत्र के गांव मिलकपुर में बीती रात 30 वर्षीय विवाहिता ने अज्ञात परिस्थितियों के चलते अपने घर में फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा महिला के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने मृतका के भाई की लिखित शिकायत पर उसके पति वीरेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस में दी गई लिखित शिकायत में सिसपर निवासी सोनू पुत्र रमेश ने बताया कि उसकी मौसी की

■ पुलिस ने मृतका के भाई के ब्यान पर पति के खिलाफ किया मामला दर्ज जांच शुरू

बेटी मितल को शादी लगभग 10-12 साल पहले मिलकपुर गांव वासी वीरेंद्र के साथ की थी। तथा उसकी बहन के दो बेटे हैं। सोनू ने आरोप लगाया कि उसका पति वीरेंद्र नशे का आदी है अक्सर शराब आदि पीकर उसकी बहन के साथ मारपीट तथा लड़ाई झगड़ा करता रहता था। उसे कई बार समझाया लेकिन कुछ समय बाद

फिर उसकी बहन के साथ मारपीट करने लगा तथा वह उसे तंग रखता था। इसी के चलते उसकी बहन की मौत हुई है। पुलिस ने सोनू की शिकायत पर मृतका के पति वीरेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को मृतका के शव का भिवानी के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया तथा मृतका के भाई के ब्यान पर उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

■ निरीक्षण के दौरान मिली खामियों को पूरा करने के लिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

खंड शिक्षा अधिकारी, भिवानी युद्धवीर सिंह द्वारा शनिवार को खण्ड के राजकीय प्राथमिक मॉडल स्कूल भिवानी, जीपीएस नंबर 1 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणा लाडनपुर, राजकीय उच्च विद्यालय ढाणा नरसान, शहीद रामगोपाल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निमाड़ीवाली, राजकीय वरिष्ठ



भिवानी। निरीक्षण के दौरान स्कूली रिकार्ड की जांच करते अधिकारी।

माध्यमिक विद्यालय हालतवास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा

लिया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विभिन्न रिकार्ड, विद्यार्थियों की उपस्थिति, साफ-सफाई, शैक्षणिक गतिविधियों तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में पाई गई कमियां आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। बीईओ ने विद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित विभागीय मानकों के अनुरूप दुरुस्त किया जाए तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया

जाए। रावमा विद्यालय नोमड़ीवाली में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएँ अत्यंत सुव्यवस्थित एवं संतोषजनक पाई गईं। विद्यालय परिसर की स्वच्छता, अनुशासन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण कार्य तथा समस्त व्यवस्थाएँ उत्कृष्ट पाई गईं। विद्यालय की समग्र व्यवस्था एवं कार्यप्रणाली सराहनीय पाया गया। प्राचार्य अनितानाथ का विद्यालय प्रबंधन उत्कृष्ट मिला। अधिकारी के साथ वरिष्ठ प्रवक्ता प्रवेश गौतम, कार्यालय एमडीएम प्रभारी भूपेंद्र सिंह, मनोज तंवर, प्रदीप साथ रहे।

कैंटर की टक्कर से मार्केट कमेटी कर्मचारी की मौत

हरिभूमि न्यूज ►► लोहारू

बीती देर रात लोहारू निवासी महावीर वर्मा उर्फ भोलाराम की लोहारू-भिवानी मुख्य सड़क मार्ग पर निर्माणधीन सब्जीमंडी के पास भीषण सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार करीब 53वर्षीय महावीर वर्मा उर्फ भोलाराम भिवानी मार्केट कमेटी कार्यालय में नीलामी सहायक लेखक के पद पर कार्यरत थे और प्रतिदिन कार से लोहारू भिवानी का

सफर करते थे। बीती देर सायं वह अपनी कार से लोहारू घर लौट रहे थे। इस दौरान रात्रि करीब 11 बजे लोहारू के पास निर्माणधीन सब्जी मंडी के पास सामने से कबाड़ के सामान से भरा कैंटर दिल्ली की ओर जा रहा था और टैंकर और की आगने सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसे में महावीर वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों और एंबुलेंस की मदद से उन्हें सीएचसी लोहारू पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों आनन फानन में प्राथमिक उपचार

शहर में पसरा मातम, दशकों से रामलीला में अदा कर रहे थे बाली का किरदार

के बाद उन्हें रेफर कर दिया। हिसार के निजी अस्पताल में पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक महावीर वर्मा अपने

पोछे बेटा और बेटी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए। महावीर वर्मा अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। शनिवार दोपहर लोहारू में गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार कर दिया तथा अंतिम संस्कार में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। दशकों से रामलीला में बाली का किरदार निभाकर लोगों का मनोरंजन करने वाले महावीर उर्फ भोलाराम वर्मा के निधन पर अंतिम यात्रा के दौरान रामलीला में माया मरीचक जैसे कई किरदार निभाते थे।

ओमप्रकाश खाजल की आंखें नम हो गईं। ओमप्रकाश खाजल ने कहा कि भोलाराम जैसा दोस्त विरलों को ही मिलता है। उसका चला जाना बेहतर पीड़ादायक है। वहीं दूसरी ओर रामलीला के अन्य कलाकारों जयपाल परिहार, मनोज जोशी, राकेश सोनी, भारत सोनी, कमल कुमार सहित अनेक कलाकारों ने कहा कि भोलाराम के असमय चले जाने से अपूर्णीय क्षति हुई है। बता दें कि महावीर भोला रामलीला में माया मरीचक जैसे कई किरदार निभाते थे।

जिला स्तरीय योगासन चैंपियनशिप 20 को

भिवानी। हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष व हरियाणा योग आयोग के सदस्य डॉ. मदन मानव और महंत बाबा राजनाथ योगी की अध्यक्षता में योगासन खेल चैंपियनशिप करवाने के लिए ऑनलाइन मीटिंग हुई। योगासन भिवानी के सेक्रेटरी योगासन कोच सुरेश वीर जांगड़ा व योगासन भिवानी के उपाध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि जिला स्तरीय योगासन खेल चैंपियनशिप का आयोजन 20 सितंबर को बिट्स स्कूल में करवाया जाएगा।

तीन बार चोरी से परेशान था परिवार

चोरी करने वाले युवक को रंगे हाथों पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ►► बाढड़ा

इ्यूटी पर तैनात सैनिक के सुने मकान में लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले युवक को ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ लिया लेकिन वह मौके से भागने में कामयाब हो गया। आरोपी की पहचान गांव के ही युवक के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव जीतपुरा निवासी संदीप भारतीय सेना में कार्यरत है और वर्तमान में इ्यूटी पर तैनात हैं। उनकी पत्नी किरण बच्चों की पढ़ाई के लिए सीकर में रह रही हैं। घर लंबे समय से बंद होने का फायदा उठाकर आरोपी युवक ने कथित रूप से तीन बार चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया गया है कि आरोपी मकान के पोच का शीशा तोड़कर अंदर घुसता था और चोरी कर फरार हो जाता था। गुरुवार को संदीप के चचेरे भाई पवन खेत से घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्होंने आरोपी को मकान के आसपास संदिग्ध अवस्था में देखा। पवन ने तत्काल उसकी वीडियो बनानी शुरू कर दी और ग्रामीणों की मदद से उसे मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक वह भागने में

श्रीगणेश महोत्सव नई पीढ़ी को प्राचीन संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ता: मंत्री बेदी

श्रीगणेश महोत्सव में बेदी व नागर ने की पूजा अर्चना

हरिभूमि न्यूज ►► चरखी दादरी

पुरानी अनाजमंडी परिसर में भागवत धर्म सेवा परिवार ट्रस्ट के तत्वावधान एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य गौरव दीक्षित के सान्निध्य में आयोजित श्रीगणेश महोत्सव में शुक्रवार रात को प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी और खाद्य आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर ने मुख्यतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर आयोजन समिति ने दोनों मंत्रियों का फूल-

मालाओं से स्वागत किया। मंत्रियों ने भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि गणेश महोत्सव जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं, ऐसे पर्व नई पीढ़ी को प्राचीन संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मंत्री बेदी ने कहा कि श्रीसनातन



भिवानी। भगवान श्री गणेश की आराधना करते मंत्री कृष्ण बेदी, मंत्री राजेश नागर फोटो: हरिभूमि

संस्कृति के संरक्षण में महापुरणों के साथ मातृशक्ति का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

योगदान रहा है। बेदी ने कहा कि

जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय परमार, डॉ. किरण कलकल, सतेंद्र परमार, बिरेंद्र बड़गुजर, महंत चरणदास, बलराज, पाषंद विनोद वाल्मीकि, विनोद सिंहभार, रवि गं गंधानियां, रितू गोयल, डॉ. संजीव मंडिया, प्रवीन सैनी आदि मौजूद हैं।

कामयाब हो गया। सैनिक संदीप तथा उनकी पत्नी किरण ने प्रशासन से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रहे। जरूरत पड़ने पर एसआईपी की रकम बढ़ाई जा सकती है, फंड चयन की समीक्षा की जा सकती है और अलग-अलग निवेश माध्यमों में राशि के बंटवारे पर भी विचार किया जा सकता है। कोई एक ऐसा जादूई फंड नहीं है, जो हमेशा सबसे बेहतर रिटर्न दे। बेहतर रणनीति वही है, जो आपके लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुकूल हो और जिसे आप लंबे समय तक अनुशासन के साथ जारी रख सकें।

ख़बर संक्षेप

महिला कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत कार्यक्रम आज

चरखी दादरी। जिले में महिला कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक महिला कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने के उद्देश्य से 20 सितंबर को महिला कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय, एमसी कॉलोनी, वेयर हाउस रोड, चरखी दादरी में होगा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक एवं चरखी दादरी लोकसभा की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक पूजा चड्ढा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

विद्यार्थियों को सिखाए प्राथमिक उपचार के गुर

तोशाम। वीर शहीद ईश्वर सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को जिला रेडक्रॉस सोसाइटी भिवानी के सहयोग से आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में पहुंचे जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के आरसीआईटी मैनेजर संजय कामरा ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्राथमिक उपचार के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी।

शिक्षित बेरोजगार युवाओं को सरकार दे रही भता

तोशाम। सरकार के रोजगार विभाग द्वारा चलाई जा रही बेरोजगारी भत्ता योजना / सक्षम युवा योजना के तहत प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को हर माह आर्थिक सहायता दी जा रही है। एसडीएम संदीप कुमार ने बताया कि उपमंडल रोजगार कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार उपमंडल में 3340 युवा इस योजना का 5506700 रुपये की धनराशि का प्रति माह लाभ ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार शिक्षित बेरोजगार युवाओं को हर महीने बेरोजगारी भत्ता दे रही है। 12वीं पास को 1200, ग्रेजुएट को 2000 और पोस्ट ग्रेजुएट को 3500 रुपये की धनराशि का प्रति माह भत्ता दिया जाता है।

आज स्कूलों में चलाया जाएगा सफाई अभियान

भिवानी। ग्रामीण विकास अधिकरण द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 20 सितंबर को सुबह 8 से 9 बजे तक जिला के चार स्कूलों में सामाजिक संस्थाओं व आमजन के सहयोग से व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। स्वच्छता अभियान के प्रत्येक स्थान के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। जिला परिषद द्वारा दी गई जानकारी अनुसार लोहारू उपमंडल के गांव पहाड़ी स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला और राजकीय वमावि में सफाई अभियान के लिए बीडीपीओ लोहारू को, बवानीखेड़ा क्षेत्र के मिलकपुर के राजकीय वमावि के लिए बीडीपीओ भिवानी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दियांग बच्चों को वितरित की स्कूल ड्रेस व जुराबें

भिवानी। पंजाबी जागृति मंच ने प्रयास स्पेसल स्कूल में लगभग 40 जरूरतमंद दिव्यांग विद्यार्थियों को स्कूल ड्रेस, जुराब, फल व मिठाइयां वितरित की। पंजाबी जागृति मंच के प्रधान दर्शन कुमार मिट्ठा ने बताया कि मंच हमेशा समाजसेवा के कार्य करता रहता है।

छात्रों को नशानुवित और संस्कारों की शपथ दिलाई

भिवानी। तोशाम बाईपास स्कूल में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने विशेष जनजागरण अभियान चलाया। आधुनिकता और तकनीक की अंधी दौड़ के बीच युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। छात्र-छात्राओं को नशे और बुरी संगत से दूर रहने तथा श्रीसनातन संस्कारों को अपनाने की शपथ दिलाई। जिला मंत्री गोपाल तंवर ने कहा कि माता-पिता, गुरुजनों व बुजुर्गों का आदर ही किसी भी व्यक्ति की वास्तविक सफलता और उन्नति की पहली सीढ़ी है।

लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल ने धूमधाम से मनाया नन्दोत्सव

नंदोत्सव में विद्यार्थियों ने ‘मच गया शोर सारी नगरी में’ से मचाई धूम

‘अकाल मृत्यु वो मरे जो काम करे चंडाल का, काल उसका क्या बिगाड़े जो भक्त हो महाकाल का’

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल की चतुर्थ व आठवी कक्षा के बच्चों ने ‘मच गया शोर सारी नगरी में’ गीत पर सुंदर नृत्य किया, जैसे देख ऐसा लग रहा था मानो द्वारप युग फिर से जीवित हो उठा हो। सारा वातावरण गोकुलमय, भक्तिमय हो गया और पुरा प्रांगण तालियों से गुंज उठा, मौका था नंदोत्सव का, जिसमें विद्यार्थियों ने अदभुत एवं आलौकिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ जोगीवाला मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज व जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर के महंत चरणदास महाराज के सानिध्य में मुख्यातिथि हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन तुषित श्योराण, सीबीएलयू की रजिस्ट्रार डॉ. भावना शर्मा, संस्था चेयरमैन त्रिलोकचन्द गोयल व रमेश हेतमपुरिया ने लड्डू गोपाल, शिक्षा की देवी मां सरस्वती व भगवान श्रीगणेश के सम्मुख द्वीप प्रज्वलन व माल्यार्पण से हुआ।

111 फुट ऊंचा महाराजा अग्रसेन का ध्वज भिवानी में भरेगा नई उमंग

■ अग्रसेन भवन में 27 को फहराया जाएगा 111 फुट ऊंचा महाराजा अग्रसेन का ध्वज : तायल

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

11 अक्टूबर को आयोजित होने वाली महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में भिवानी में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी में 27 सितंबर को रोहतक रोड स्थित श्री अग्रसेन भवन में आयोजन होने जा रहा है। श्री अग्रसेन ट्रस्ट भिवानी के प्रधान रामदेव तायल, महासचिव सुरेंद्र जैन तथा संस्थापक ट्रस्टी विजयकिशन ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर अग्रसेन भवन में 111



भिवानी। प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि व नंदोत्सव में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

600 विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी

इस अवसर पर उपाध्यक्ष गिगि देवी, आनन्द प्रकाश गोयल, महासचिव संजय गोयल, प्रबंध निदेशक पवन गोयल व भावना गोयल ने भी लड्डू गोपाल, मां सरस्वती व भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना की। स्कूल के चेयरमैन त्रिलोकचन्द गोयल ने अतिथियों को स्वागत किया। नंदोत्सव में चतुर्थ व आठवी कक्षा के लगभग 600 विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दी। चतुर्थ कक्षा के देव, हिमांशी, मीनल, रिद्धि, वंशिका, देवांश, रूद्र सोनी, ने ‘मै नचना मोहन दे नाल’, आरोही, वृष्टि, दिव्यांशी, इशु, ध्रुव, छवि, सिवांगी ने ‘तु राजा की राजकुमारी’, भव्य, भूमि, परी, सिया, दिया, मुद्गला, ने ‘इधर भी ईश्वर’, युग, कार्तिक, एलेक्स, हिमांश, मनिक ने ‘फूल बिखेरो नगर में’ आदि गीतों पर मनमोहक नृत्य किया। कक्षा आठवी के हर्षिका, जानवी, वंश भट्टी, रजत शर्मा, निधि,



फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी नरेन्द्र जांगड़ा, जिला बाल सुरक्षा समिति के अध्यक्ष प्रदीप सिंह, सदस्य सतेन्द्र सिंह, धीरज सेनी, रामदेव तायल, हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसियेशन के प्रधान रामअवतार शर्मा, अमित डागर, यतिंदर नाथ, सतीश, सत्यनारायण मित्तल, रमेश सिंगल, प्रबंधक सतीश गोयल व रवि गोयल, निदेशिका एश्वर्या सिंगल, निदेशक रामनन्द सिंहल, राहुल गोयल, विनय गोयल, निश्चल गोयल, साक्षी गोयल प्राचार्य दीपक जोशी, उप-प्राचार्य मनमोहन चावला, प्राचार्या वीना सेठ, भावना, रेखा, महेश्ठा, सोनिया खेमका, रश्मि, नीरज, श्याम सुन्दर, अमित आदि उपस्थित रहे।

खिलाड़ी खेल भावना से खेलें: धूपड़

■ नमो क्रिकेट लीग एनसीएल- 2026 का आगाज हुआ

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखने तथा उन्हें खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत आयोजित की जा रही नमो क्रिकेट लीग एनसीएल- 2026 का आगाज किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता 19 सितंबर से 24 सितंबर तक भिवानी- हांसी मार्ग स्थित आरपीएस क्रिकेट ग्राउंड में जारी है। प्रतियोगिता का शुभारंभ हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष शंकर धूपड़ ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भिवानी विधायक घनश्याम सराफ ने की। मुख्यातिथि शिक्षा बोर्ड के



भिवानी। खिलाड़ियों का परिचय लेकर मैच शुरू करवाते हुए।

अध्यक्ष शंकर धूपड़ व कार्यक्रम अध्यक्ष विधायक घनश्याम सराफ ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल खेल की भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव पर नमो क्रिकेट लीग आयोजित की जा रही है यह खिलाड़ियों के अंदर सद्भावना को तो जन्म देगी। साथ में इस टूर्नामेंट

क्रिकेट में चरखी दादरी की टीम ने रोहतक को हराया

■ खिलाड़ियों का गांव काकड़ौली में पहुंचने पर किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज़ ►► बाढ़ड़ा

पंचकूला खेल स्टेडियम में 16 से 18सितंबर तक आयोजित राज्य स्तरीय लड़कियों की क्रिकेट प्रतियोगिता में जिला चरखी दादरी की टीम ने रोहतक को हरा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विजेता टीम की खिलाड़ियों का दण्ड काकड़ौली में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। क्रिकेट टीम कोच भूपेंद्र सिंह डीपीई ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच रोहतक व चरखी दादरी के बीच

खेला गया। जिसमें चरखी दादरी की टीम ने दीपिका व धनवर्षा की स्पिन गेंदबाजी की मदद से रोहतक की टीम को आठ ओवर में मात्र 40 रन पर ऑल आउट करते हुए इस फाइनल मैच को मानवी व जैनल की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत नौ विकेट से जीत कर प्रतियोगिता को अपने नाम किया। स्पर्धा के फाइनल मैच में दीपिका को मैन ऑफ द मैच व मानवी को मैन ऑफ द सीरीज के किताब से नवाजा गया। शहीद मनफूल सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व ग्राम पंचायत काकड़ौली सरदारा ने विजेता खिलाड़ियों का ढोल नगाड़ों के साथ फूल मालाएं पहना कर भव्य स्वागत किया।

एसडीएम कार्यालय नए भवन में स्थानांतरित

नए लघु सचिवालय में शुरू हुई प्रशासनिक कार्यालयों की शिफ्टिंग

हरिभूमि न्यूज़ ►► चरखी दादरी

जिले में लंबे समय से निर्माणाधीन नए लघु सचिवालय भवन में अब प्रशासनिक कार्यालयों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नए भवन में एसडीएम कार्यालय का संचालन शुरू कर दिया। एसडीएम डॉ. वीरेंद्र सिंह ने अपना कार्यालय नए लघु सचिवालय में शिफ्ट कर लिया है। वहीं अन्य विभागों के कार्यालय भी नए भवन में स्थानांतरित किए जाने की तैयारी है। कार्यालयों के एक ही परिसर में आने से प्रशासनिक कामकाज को व्यवस्थित करने के साथ आमजन को भी सुविधाएं



चरखीदादरी। नए लघु सचिवालय में शिफ्ट किया जा रहा एसडीएम कार्यालय का सामान।

मिलने की उम्मीद है। नए लघु सचिवालय के निर्माण का टेंडर जनवरी 2022 में अलॉट किया गया था। निर्माण कार्य को जनवरी

2024 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया था, हालांकि तब अवधि में भवन का काम पूरा नहीं हो सका। इसके बाद निर्माण की

नया लघु सचिवालय बेसमेंट के अलावा चार मंजिलों वाला भवन है, जिसमें विभिन्न प्रशासनिक विभागों के कार्यालयों के लिए करीब 90 कमरों का निर्माण किया गया है। सभी प्रमुख कार्यालय एक ही परिसर में संवालिंत होने से अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच सन्मन्य बेहतर होने की संभावना है। वहीं लोगों को एक ही परिसर में कई प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। भवन में विभागों के लिए अलग-अलग स्तर पर व्यवस्था की गई है। गाउंड प्लेयर पर एसडीएम कार्यालय स्थापित किया है। पहली मंजिल पर डीसी कार्यालय और दूसरी मंजिल पर एडीसी कार्यालय के लिए स्थान निर्धारित किया है। तीसरी मंजिल पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय संवालिंत किया जाएगा। जनवरी 2022 में टेंडर अलॉट होने के बाद शुरू हुआ निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा नहीं हो पाया। कई बार समय बढ़ाए जाने के बाद अब भवन तैयार हुआ है। शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय के स्थानांतरण के साथ नए लघु सचिवालय का उपयोग शुरू हो गया। अब चरखबद्ध तरीके से अन्य विभागों को भी यहां स्थानांतरित किए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

समय सीमा कई बार बढ़ाई गई। करीब 72 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए भवन में प्रशासनिक

विभागों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ कार्यालयों की व्यवस्था की गई है।

न्यूज़ डायरी

‘श्रीमद्भागवत कथा मानव कल्याण का श्रेष्ठ मार्ग’ भिवानी। गांव बापोड़ा स्थित माईवाला मंदिर परिसर में ग्रामीणों व सम्पूर्ण जीव जगत की सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना को लेकर सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथाव्यास पंडित बुजमोहन कौशिक ने भगवान श्रीकृष्ण व माता रूक्मणी के विवाह का अत्यंत मनमोहक व संजीव वर्णन किया। कथाव्यास पंडित बुजमोहन कौशिक ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा दिखाने वाला साक्षात ईश्वर रूप है, जिसके श्रवण मात्र से मनुष्य के जीवन के समस्त पापों और कष्टों का निवारण होता है। वर्तमान समय में भागवत कथा समाज में आपसी प्रेम, भ्रातृत्व और शांति का प्रसार करती है। जो मनुष्य निष्काम भाव से भगवान की भक्ति और कथा का आश्रय लेता है, उसके जीवन में सदा सुख और समृद्धि का वास रहता है। सुनील शर्मा ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठान को सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न करने के लिए माई वाला मंदिर समिति के सदस्य राजेंद्र शर्मा, कृष्ण, गोपाल, नवीन, जितेन्द्र, पवन, सतबीर और धर्मवीर निरंतर अपनी निःस्वार्थ सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।



राजयोग का नियमित अभ्यास करने की प्रेरणा दी

तोशाम। जुड़ै स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवाकेंद्र पर विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुरुधाम से पहुंची बीके संतोष ने उपस्थित महिलाओं तथा पुरुषों को परमात्मा के सत्यस्वरूप और उनकी सर्वशक्तियों के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला ने गुरुधाम से आई बीके संतोष का मस्तक पर तिलक लगाकर और पुष्प भेंटकर भावभीनी स्वागत व अभिनंदन किया। सत्संग के दौरान बीके संतोष ने परमात्मा से अटूट संबंध और विश्वास बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परमात्मा अपने बच्चों की हर कदम पर मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं। आवश्यकता केवल सच्चे मन से उन पर भरोसा करने की है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को दैनिक जीवन में राजयोग का नियमित अभ्यास करने की प्रेरणा दी, ताकि मन में सकारात्मकता और शांति बनी रहे।



आशा वर्कर्स को नियमित निगरानी की दिलाई शपथ

भिवानी। सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शाहिल्य के आदेशानुसार तथा उप सिविल सर्जन डॉ. सुमन विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नंदगांव में आशा कार्यकर्ताओं के लिए कुष्ठ (लेप्रोसी) एवं टीबी रोग से संबंधित विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान सभी आशा कार्यकर्ताओं को समाज को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने और नियमित निगरानी रखने की शपथ भी दिलाई गई। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डा. अमित नेवाल ने कहा कि कुष्ठ रोग कोई लाडलाइन या छुआझूक की बीमारी नहीं है। समय पर सही पहचान और एमडीटी (मल्टी ड्रग थेरेपी) के नियमित सेवन से यह बीमारी पूरी तरह ठीक हो जाती है।



क्षेत्रवाद से बाहर नहीं निकल सकती कांग्रेस- बेदी

चरखी दादरी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी ने बड़ा दिल दिखाते हुए सफाई कर्मचारियों की सभी मांगों पर सहमति देकर आंदोलन को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त कराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी परिवारवाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद से बाहर नहीं निकल सकती। उनका संकल्प केवल भाई-भतीजावाद और अपने परिवारों को टिकट व पद दिलाने तक सीमित है। मंत्री बेदी शुक्रवार देर शाम दादरी के रेस्ट हाउस पहुंचे थे। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष राष्‍ट्रद्वीप परमार की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सामाजिक संगठनों और सफाई कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि कांग्रेस में पिता विधायक या सांसद हैं तो बेटे को पद दिलाने की होड़ मची है।



शिव धनुष टूटते ही गुंजा श्रीराम का जयघोष

चरखी दादरी। विद्या विहार शंकर कॉलोनी में आयोजित 10वें श्रीगणेश जन्मोत्सव के पांचवें दिन श्रद्धा, भक्ति और संस्कृति का संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में कॉलोनी के बच्चों ने धार्मिक मंजनों और गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। मुख्य आकर्षण सीता स्वयंवर, श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग और परशुराम-लक्ष्मण संवाद की लीला रही। स्वयंवर में अनेक राजा-महाराजा शिव धनुष को हिला तक नहीं सके। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से श्रीराम ने सहज भाव से धनुष उठाकर भंग कर दिया। धनुष टूटते ही पंडाल श्रीराम के जयघोष से गुंज उठा। माता सीता ने श्रीराम के गले में दरमाला डालकर स्वयंवर पूर्ण किया।



कार्यशाला में हरियाणवी संस्कृति की छटा बिखेरी

चरखी दादरी। संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र हैदराबाद की ओर से 7 से 16 सितंबर तक सांस्कृतिक विविधता विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में देश के 14 राज्यों से कक्षा पहली से 12वीं तक के शिक्षकों ने भाग लिया। हरियाणा से 15 शिक्षकों ने सहभागिता करते हुए प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को प्रभावशाली प्रस्तुति दी। हरियाणा की ओर से शामिल शिक्षकों में राज्य शिक्षक अवार्डों राजेश फौगाट भी रहे। वर्तमान में राजकीय प्राथमिक पाठशाला, अकौवा जिला महेंद्रगढ़ में आयोजित राजेश फौगाट ने कार्यशाला में सहभागिता के माध्यम से चरखी दादरी और महेंद्रगढ़ जिले का नाम राष्ट्रीय मंच पर रोशन किया।

जिलेभर में 25 जगह लगेंगे सेवा सेतु शिविर

भिवानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जनसेवा के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में शुरू किए गए सेवा संकल्प अभियान के तहत डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न ब्लॉकों, शहरी स्थानीय निकायों तथा महानगाम/बड़े कालों में 15 अक्टूबर तक कुल 25 सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवाया जाएगा। डीसी ने इन शिविरों के आयोजन हेतु संबंधित उपमंडल अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

खबर संक्षेप

बार एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों ने ली शपथ चरखी दादरी। दादरी जिला बार एसोसिएशन के हाल ही में हुए चुनावों में निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। एडीजे तरणजीत कौर, सतीश कुमार, एसीजेएम प्रवीण कुमार, सीजीएम निधि सोलंकी, संजीव काजला, एसीजेएम एम जेड खान, चेयरमैन कंज्यूमर फोरम मंजीत नरयाल, जेएमआईसी लक्ष्य गर्ग, रजत अरोड़ा व अन्नू कुमारी विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चुनाव कमेटी के सदस्य ओमप्रकाश सांगवान, ओमप्रकाश पंवार और पवन बंसल ने संयुक्त रूप से की।

गोल्डो बस चलाने से छात्र व दैनिक यात्री परेशान बाढ़ड़ा। लोहारू से गुरुग्राम वाया बाढ़ड़ा-चरखी दादरी रूट पर सुबह के समय परिवहन विभाग द्वारा सामान्य रोडवेज बस की जगह गोल्डो बस चलाने से कॉलेज विद्यार्थियों, दैनिक यात्रियों और कच्चाकारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा संकट चरखी दादरी के कॉलेजों में पढ़ने के लिए जाने वाली छात्राओं के सामने खड़ा हो गया है, जो बस सुविधा न होने के कारण समय पर अपनी कक्षाओं में नहीं पहुंच पा रही हैं। पास मान्य न होने से बड़ी परेशानी बाढ़ड़ा बस स्टैंड पर विरोध जताते हुए छात्रा खुशी, रचना, साक्षी और अन्य विद्यार्थियों ने बताया कि सुबह करीब 7 बज कर 40 मिनट पर लोहारू से गुरुग्राम की ओर जाने वाली एक सामान्य रोडवेज बस चलती थी। छात्राओं का कहना है कि गोल्डो बस में सरकार द्वारा जारी किए गए विद्यार्थियों के बस पास मान्य नहीं होते हैं। इसके अलावा इसका किराया भी सामान्य बस से काफी अधिक है। इस लिए अधिक परेशानी हो रही है।

पीएम श्री स्कूल के निरीक्षण के दौरान छात्राओं से मिलीं आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार

हरिभूमि न्यूज ►► बवानीखेड़ा

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने कस्बा बवानीखेड़ा स्थित शनिवार को पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और ठाकुर शंभू सिंह राजकीय कन्या महाविद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों शिक्षण संस्थानों में कक्षाओं में जाकर छात्राओं से बात की और उनको कड़ी मेहनत कर उच्च मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्राओं को किसी भी प्रकार से

सरकार बेटियों व महिलाओं को बढ़ा रही आगे

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पानीपत से बेंटी बचाओ बेंटी पढ़ाओ की शुरुआत कर महिला अधिकारों को बढ़ावा दिया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार व राज्य में मुख्यमंत्री श्री नाथ सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार बेटियों व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर काम कर रही है। पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उनकी प्रतिष्ठा को बढ़ावा दिया है। महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, लखपति दीदी, आपकी बेंटी हमारी बेंटी, लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता, हरियाणा मातृ शक्ति उद्यमिता योजना, मुख्यमंत्री महिला निर्माण श्रमिक सम्मान योजना, कन्यादान योजना, वाहन चालक प्रशिक्षण व ड्रेम दीदी आदि कल्याणकारी लागू की हैं, जिनका सीधा लाभ महिलाओं को मिल रहा है।



बवानीखेड़ा। निरीक्षण के दौरान छात्राओं से बातचीत करती आयोग की उपाध्यक्ष।

डरने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। राज्य महिला आयोग हमेशा उनके साथ खड़ा है। इस दौरान उन्होंने शौचालयों की स्वच्छता व परिसर में सफाई

कुमार मीना परमार का बुक्के भेंट कर स्वागत किया। छात्राओं को अपना संदेश देते हुए महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी के सार्वजनिक जनसेवा के 25 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने छात्राओं से इस

विधायक व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने नारियल फोड़कर विकास कार्य करवाए शुरू तीन वार्डों को नप की सौगात, साढ़े सात करोड़ से लगेंगे विकास को पंख

पार्षद अभिषेक दुग्गल ने विधायक सराफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

शनिवार को नगरपरिषद ने वार्ड संख्या एक, दो व तीन (सेक्टर 13,23 व राजीव कॉलोनी) के लिए दिल खोल कर विकास कार्यों के लिए धन बरसाया। इन तीनों कॉलोनीयों के विकास कार्यों के लिए करीब साढ़े सात करोड़ रुपये की लागत से कार्य करवाए जाएंगे। विधायक घनश्याम सराफ व नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने इन तीनों कॉलोनीयों के साढ़े सात करोड़ रूपये के विकास कार्यों का नारियल फोड़कर श्री गणेश करवाया। इस अवसर पर वार्ड



भिवानी। करोड़ों रुपये की योजनाओं का शिलान्यास करते विधायक सराफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप। फोटो : हरिभूमि

संख्या एक के पार्षद सूर्या तंवर, दो के पार्षद पार्षद संदीप यादव व वार्ड संख्या 3 के पार्षद अभिषेक दुग्गल ने विधायक सराफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि का स्वागत किया तथा वहां पर मौजूद सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया। नगरपरिषद द्वारा तैयार करवाए गए बुस्टरों को सेक्टर को समर्पित किया गया। 1523 से लेकर 1324 तक की सड़क, पॉलटर्मिनक

कोई गली नहीं रहेगी कच्ची: भवानी

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार को सेक्टर 13,23 व राजीव कॉलोनी के करीब साढ़े सात करोड़ रुपये के विकास कार्यों का श्रीगणेश करवाया है। इस दौरान विधायक घनश्याम सराफ की मौजूदगी में उक्त विकास कार्यों का नारियल फोड़कर शुभारंभ करवाया गया है। उन्होंने बताया कि नगरपरिषद किसी भी इलाके में कोई भी गली कच्ची नहीं रहने देगी। बशर्तें जगता उनको कच्ची गलियों के बारे में जानकारी दे। वे मौके पर जाकर उसकी पक्का करवाने का प्रोजेजल तैयार करवाया जाएगा। शहर में कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी। सभी गलियां पक्की होने के बाद स्वच्छता को पंख लग जाएंगे।

मोदी की अगुवाई में देश बढ़ रहा है आगे : सराफ

विधायक घनश्याम सराफ ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश आगे बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में देश ने विश्व में अपनी अलग से पहचान बनाई है। वहीं प्रदेश के सीएम नाथ सिंह सैनी मिवानी विकास के लिए दिल खोलकर बजट जारी कर रहे हैं। भिवानी ही नहीं पूरे प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। सार्वजनिक कार्यों के लिए सरकारी धन से लबाब ब है।

लाइन दबाने के कार्य का शुभारंभ करवाया गया है। सैक्टर 23 की बाकी बची सभी गलियों का निर्माण कार्य करीब ढाई करोड़ रुपये की राशि से करवाया जाना शामिल है। विधायक के समक्ष

दूषित पानी व सफ़ाई का कम पानी पहुंचने की शिकायत की,जिस पर विधायक ने तत्काल पब्लिक हेल्थ व हड्डा के अधिकारियों से बात करके समस्या का तत्काल समाधान करवाने के निर्देश दिए।

शेखावाटी ब्रह्मचर्याश्रम समिति के महेश दत्त बने अध्यक्ष, कार्यकारिणी निर्विरोध चुनी गई

भिवानी। श्री हरियाणा शेखावाटी ब्रह्मचर्याश्रम समिति की नई कार्यकारिणी का गठन निर्विरोध रूप से संपन्न हो गया है। समिति की चुनाव प्रक्रिया 15 अगस्त को शुरू की गई थी। जिला रजिस्ट्रार के दिशा-निर्देशानुसार चुनाव अधिकारी प्रोफेसर पवन कुमार द्वारा प्रस्तावित शेड्यूल के तहत नामांकन प्रक्रिया अपनाई गई और शुक्रवार को अंतिम रूप से सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी गई। इस चुनाव प्रक्रिया में महेश दत्त को अध्यक्ष और प्रदीप शास्त्री को उपाध्यक्ष चुना गया। जयप्रकाश शर्मा को सचिव, सत्यनारायण शर्मा को सहसचिव और विनोद शर्मा को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा 6 कार्यकारिणी सदस्यों अधिवक्ता ओमस्वरूप, महेश शर्मा, मंगेसाम शर्मा, पतराम शर्मा, जगननारायण, डा. रवि भोजन का भी निर्विरोध चुनाव किया गया। इस प्रकार समिति में कुल 11 सदस्यों की कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें 5 मुख्य पदाधिकारियों व 6 सदस्यों की कार्यकारिणी गठित हुई है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेश दत्त ने कहा कि समिति के सभी सदस्यों ने जिस विश्वास के साथ यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा। समिति की गतिविधियों और सामाजिक व शैक्षणिक कार्यों को नई गति दी जाएगी। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद सदस्यों में भारी उत्साह देखने को मिला।



भिवानी। नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को सम्मानित करते सदस्य।

जिला स्तरीय युवा संसद में छात्राओं ने दिखाया संसदीय कौशल



भिवानी। जिला स्तरीय युवा संसद में शामिल छात्राएं व ग्रामीण।

चरखी दादरी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इमलोटा में शनिवार को जिला स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भारतीय संसद की कार्यप्रणाली, प्रश्नकाल, चर्चा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का जीवंत प्रदर्शन किया। छात्राओं ने पूरे आत्मविश्वास व अनुशासन के साथ संसदीय कार्यवाही का प्रभावशाली मंचन किया। कार्यक्रम के निष्पत्तियों में डाइट बिस्कीकला से डॉ. ओमप्रकाश पंवार, रोशनलाल, मंजीता कुमारी व अंकिता कुमारी शामिल रहे। निष्पत्तियों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन, विषय की समझ, आत्मविश्वास, संवाद शैली और संसदीय मर्यादा के आधार पर मूल्यांकन किया। युवा संसद की तैयारी एवं निर्देशन राजनीति विज्ञान प्रवक्ता पुष्पा और इतिहास प्रवक्ता रविंद्र के नेतृत्व में किया गया। मंच संचालन सतीश कुमार और कविता ने किया। सरपंच रामनिवास ने कार्यक्रम में पहुंचकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें ट्रॉफी, मेमोटा और नोटबुक भेंट की।

भारतीय संकल्प दिवस पर विद्यार्थियों ने किया रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन



हरिभूमि न्यूज ►► चरखी दादरी

गांव रानीला स्थित बीसीएम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भारतीय संकल्प दिवस उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए चित्रकारी और रंगोली सहित कई रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला एवं रचनात्मक प्रतिभा का

प्रदर्शन किया। चित्रकारी और रंगोली के माध्यम से विद्यार्थियों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, सेवा भावना और राष्ट्रप्रेम से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए। रंग-बिरंगी रंगोलियों और आकर्षक चित्रों से विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य जगमोहन शिलक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एकता, अनुशासन, सेवा भावना और देश के प्रति कर्तव्यों के महत्व पर प्रकाश डाला।

आदर्श महिला कॉलेज में टैलेंट शो में दिखी प्रतिभा

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्राओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने एवं उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'फ्रेअरसेज टैलेंट शो' का शानदार आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। तत्पश्चात अपना संबोधन



भिवानी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी व शिक्षिका। फोटो : हरिभूमि

कहा कि महाविद्यालय का निरंतर प्रयास रहता है कि शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं के सर्वांगीण

विकास के लिए उन्हें सांस्कृतिक, रचनात्मक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ा जाए।

सात बड़े गो-चारागाह बनेंगे, ई-रिक्शा और लिफ्ट वाली एंबुलेंस देने की योजना : चेयरमैन

सड़कों पर पशु छोड़ने पर एफआईआर के साथ लगेगा जुर्माना: कंबोज

बेसहारा गोवंश के पुनर्वास के लिए अभियान चलेगा

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

हरियाणा गौसेवा आयोग के नवनिर्भुक्त चेयरमैन रामचंद्र कंबोज ने शनिवार को महम रोड स्थित श्रीगोशाला ट्रस्ट में जिले की सभी 45 गोशाला समितियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में पहुंचने पर श्रीगोशाला ट्रस्ट के प्रधान पुरुषोत्तम दास अग्रवाल सहित सभी ट्रस्टियों तथा पशुपालन विभाग के



भिवानी। गोशाला में पौधरोपण करते गोसेवा आयोग के चेयरमैन रामचंद्र कंबोज व अन्य।

उपनिदेशक डॉ. रविन्द्र सहरावत ने पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर चेयरमैन ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए गोशाला प्रांगण में पौधरोपण भी किया।

गो संरक्षण के लिए किए जा रहे बेहतार प्रयास

विधायक घनश्यामदास सराफ ने कहा कि मिवानी जिला गोवंश के पुनर्वास और संरक्षण में हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि गोशालाओं में गोवंश की सुविधा के लिए कई शैड भी उन्होंने मिजी कोष से बनवाए हैं।

अनुदान राशि दो किस्तों में जारी की जाएगी। 6 महीने की पहली किस्त 30 सितंबर तक सीधे गोशालाओं के बैंक खातों में भेज दी जाएगी, जबकि दूसरी किस्त 31 मार्च से पहले उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके अलावा गोशालाओं की व्यवस्थाओं को सुगम बनाने के लिए जल्द ही ई-रिक्शा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि

अतिरिक्त गोवंश सम्मानपूर्वक रखा जाएगा। गौसेवा आयोग चारा अनुदान के साथ-साथ सभी गोशालाओं में शेड व अन्य जरूरी ढांचा तैयार करने की व्यवस्था करेगा। गंभीर व घायल पशुओं की त्पति मदद के लिए बड़ी गोशालाओं के साथ मिलकर लिफ्ट वाली एंबुलेंस तैयार करने और इसे टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1962 की 24 घंटे चलने वाली सेवा से जोड़ने पर भी योजना तैयार की जा रही है। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविन्द्र सहरावत ने कहा कि जिले की सभी गोशालाओं में लंपी बीमारी पूरी तरह नियंत्रण में है।

उत्पीड़न पर डॉयल-112 पर सूचना दे

उन्होंने छात्राओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे निडरता के साथ अपनी पढ़ाई करें। किसी भी प्रकार से शोषण या उत्पीड़न पर डॉयल 112 पर सूचना दें। छात्राएं राज्य महिला आयोग में भी अपनी शिकायत दे सकती हैं, आयोग शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लेता है।

निरीक्षण के दौरान ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बीईओ सतेंद्र सिंह, जगन्नाथ महता, बलवान तंवर, विनीत तंवर, अशोक परमार, संजय वर्मा, बनवारी लाल व पवन महता सहित अनेक गणमान्य नागरिक व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

अभियान में अपने शिक्षण संस्थान के साथ-साथ आसपास परिवेश में स्वच्छता अभियान चलाने व पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें समाज व राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहना चाहिए। देश की उन्नति युवा वर्ग का विशेष योगदान होता है।

न्यूज डायरी



एथलेटिक्स में प्रिस कादमा ने हासिल किया पांचवां स्थान

चरखी दादरी। श्रीराम पब्लिक स्कूल कान्हड़ा के आठवीं कक्षा के छात्र प्रिस कादमा ने प्रदेश स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1600 मीटर वीडू में पांचवां स्थान हासिल किया। जिला दादरी का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रिस ने प्रदेशभर के प्रतिभागियों के बीच अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उसकी उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। प्रतियोगिता के बाद विद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य अमित जाखड़, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने प्रिस का स्वागत किया और उसे बधाई दी। प्राचार्य अमित जाखड़ ने कहा कि प्रिस ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर पहले ब्लॉक एवं जिला स्तर पर सफलता हासिल की और अब प्रदेश स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि गामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण, उचित सुविधाएं, मार्गदर्शन और अवसर मिलें तो वे खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं।



प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए प्रेरक प्रस्तुत

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य दिनेश कुमार के नेतृत्व में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का आयोजन बीआईएस क्लब के माध्यम से क्लब के मार्गदर्शक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में किया गया। विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं तकनीक से संबंधित विभिन्न उपयोगी मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता तथा नवाचार की भावना को बढ़ावा देना है। विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विषयों पर मॉडल तैयार किए। प्रदर्शनी में फिरोज और जिशात ने कक्षा 12वीं बी के अंतर्गत मूत्र निस्सर्जन तथा उसके उत्पादों के उपयोग से संबंधित मॉडल प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पारवेश और धीरज ने कक्षा 10वीं ए के विद्यार्थियों के रूप में कारखाना स्तर पर कार्बन अवशोषक विषय पर मॉडल प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान हासिल किया।



नृत्य प्रतियोगिता में अंकिता ने पाया प्रथम स्थान

चरखी दादरी। स्थानीय जनता महाविद्यालय में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के तत्वाधान में प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और उनकी रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. नीरज गर्ग ने बताया कि नृत्य, किरियोगाफ़ी व गायन प्रतियोगिता करवाई गई। नृत्य प्रतियोगिता में अंकिता ने प्रथम, प्रांति ने द्वितीय और निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गायन प्रतियोगिता में तरुणा की सम्मनित किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रोफेसर कमल नयन, अविनाश चौहान, मरकट डूडी और विकास ने निर्णायक की भूमिका निभाई। मंच संचालन साहिल नवांनूर ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयवीर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए उचित मंच उपलब्ध कराने में सहायक होते हैं।

देशी पिस्तौल व कारतूस सफ़ाया किया गिरफ्तार

चरखी दादरी। दादरी जिला पुलिस की टीम ने मिवानी जिले के गांव खरकड़ी झांवरी निवासी युवक से अवैध देशी पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामदगी मामले में सफ़ाया कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के गांव महोगरा निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गत 16 सितंबर को बस अड्डा चरखी पर गश्त के दौरान सीआईड स्टाफ दादरी की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि अजय निवासी खरकड़ी झांवरी (जिला मिवानी) अवैध हथियार के साथ बस अड्डा पैदावास खुद से आगे डोहकी जाने वाले कच्चे रास्ते पर खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी और वहां से अजय नामक युवक को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी पिस्तौल तथा 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए थे।





स्लीपकेशन घुमक्कड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ मरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन मरी नींद की कमी अकसर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन ‘लोकल सर्कलस’ का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे



थका हुआ महसूस करते हैं। इस ‘स्लीप डेब्ट’ को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कुर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, ‘आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें।’

कवर स्टोरी / अंशु सिंह

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमक्कड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनसी में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।



अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- ▶ इसमें व्यक्ति को सुबह बिना आलार्म के जागना होता है।
- ▶ बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- ▶ अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- ▶ बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर थू ही घूमने निकल जाना।
- ▶ इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- ▶ स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- ▶ मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- ▶ शरीर आराम महसूस करने लगता है।



गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद
लाथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संभल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं त्रियायारे के
घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से
पास नहीं जाता फिर भौंरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है
ढल जाता है हर सांघे में लौह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से
जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का 'नवरंग'
परवानों की भीड़ लगेगी शम्भा जल जाने के बाद

लंगर / धर्मेन्द्र जोशी

आजकल अधिकतर शहरों की सड़कों पर जगह-जगह 'कार्य प्रगति पर है!' के बोर्ड लगे हुए दिख जाते हैं। बोर्ड धुंधला जाते हैं, मगर कार्य को गति नहीं मिल पाती है। प्रगति जमीन पर नहीं बल्कि केवल बोर्ड पर ही लिखी दिखाई देती है। यही वजह है कि जो गड़बड़ पिछली बारिश में नन्हें-नन्हें अवतरित हुए थे, वे अब पाताल के द्वार रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। न जाने कितने दो पहिया वाहन सवार पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को खुद पर गिरा कर हमेशा के लिए उनकी स्मृति इनमें अंकित हो चुकी है।

इधर, शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। लोगों के घर धूल के गुबार से गुलजार हो रहे हैं। गृहिणियों का गृहकार्य बढ़ चुका है। वे सफाई में हाथ बंटाने के लिए अपने वीटो पावर का उपयोग कर

मेरी कॉलोनी में रहने वाले एक वृद्ध की दिनचर्या वर्षों से नहीं बदली थी। हर शाम वह चारपाई पर बैठकर दरवाजे की ओर टकटकी लगाए रहते। लोग समझते, शायद बेटे का इंतजार है। बेटा महीने में केवल एक बार आता। जल्दबाजी में हाल-चाल पूछता, दवाइयां रखता और कहता, 'पिताजी, किसी चीज की जरूरत हो तो बता दिया कीजिए।' वृद्ध मुस्कुरा देते, 'सब है बेटा कुछ नहीं चाहिए।'

एक सर्द रात वह चुपचाप इस दुनिया से विदा हो गए। घर समेटते समय बेटे ने उनका पुराना तकिया उठाया। तकिया भारी लगा। खोलकर देखा तो उसमें न पैसे थे, न गहने, केवल संभालकर रखी छोटी-छोटी पर्चियां थीं। हर पर्ची पर एक तारीख और अधूरी-सी टीस लिखी थी, 'आज बहुत मन था कि बेटा थोड़ी देर बैठ जाता।' 'आज पहली बार खाना अकेले खाया।' 'डॉक्टर ने कहा, बातें करते रहिए। मगर किससे?' 'आज बरामदे में दो कप चाय रखी दूसरी ठंडी हो गई।'

सबसे आखिरी पर्ची पर लिखा था, 'अब उसे बुलाना मता वह बहुत व्यस्त होगा।' पर्चियां पढ़ते-पढ़ते बेटे की आंखें धुंधला गईं। उसे पहली बार समझ आया कि उसने पिता को हर जरूरत पूरी की, पर उनके अकेलेपन को

कार्य प्रगति पर है!

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की सफा-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के



यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पताओं में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।

कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पट्टिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी,

कल संध्या काल में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित वहीं गटरदोज हो गए। न केवल उनके धवल वस्त्र गंदगी से अलंकृत हुए, उनकी स्कूटी में भी हलचल बंद हो गई। जुगत बाबू की धर्मपत्नी के साथ भी वहीं हादसा हो गया। वे सब्जी मंडी से थैला भरकर ताजी तरकारी लेकर आ रही थीं। छत पर खड़ी पड़ोसन से बात करने में मगन, उन्हें नाली का ध्यान नहीं रहा और वे सब्जी सहित नाली में समा गईं। आस-पास के लोगों ने

किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्ट्राइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को 'कार्य प्रगति पर है' का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल काट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और जाते जाते के जरिए को और मजबूत किया जा सके। *



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

लाइफस्टाइल / विवेक कुमार

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लैश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर

पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है।

जरूर पढ़ लें रिव्यू: जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेंटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेंटिंग की बात है तो रेंटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेंटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है।

जान लें रिटर्न पॉलिसी: ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर

पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है।

सही प्लेटफॉर्म चुनें: सस्ती कीमत देखकर किसी अनजान वेबसाइट पर तुरंत भुगतान करना जोखिमभरा हो सकता है। वेबसाइट का नाम, संपर्क, जानकारी, रिटर्न नीति और भुगतान का विकल्प देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियां' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते



कविताओं का केमवास और भी विस्तारित सूरज को/सीखती हैं, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।' जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। 'बिंदी और सिंदूर' कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी

हो गया है। इससे भारतीय समाज में शोषित-दमित होकर जीने वाली स्त्रियों के स्वर में वैश्वक आधी आबादी का स्वर भी घुलता-मिलता नजर आता है। कह सकते हैं कि आरती आस्था के इस कविता संग्रह में स्त्री जीवन की अनेक छवियां उजागर हुई हैं। *

पुस्तक: छत पर लड़कियां (कविता संग्रह), लेखिका: आरती आस्था, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली



गणपति बप्पा का भव्य विसर्जन आस्था-सामूहिकता का उत्सव

पर्व-संस्कृति
धीरेज बसाक

विघ्न विनाशक गणपति की विदाई का दृश्य अपने आपमें भारतीय संस्कृति का एक अनूठा दृश्य होता है। सिर पर पगड़ी बांधे बुजुर्ग, जयघोष करते युवा और रंग-बिरंगे कपड़ों में सजी महिलाएं, कंधों पर गणपति की प्रतिमा उठाए भक्तगण और ढोल की थाप पर थिरकते अलग-अलग उम्र के लोग-सब एक ही स्वर में पुकारते हैं, ‘गणपति बप्पा मोरया!’ कुछ घंटे पहले तक जो प्रतिमा किसी घर, गली या मुहल्ले के एक मंडप की केंद्र बिंदु थी, विसर्जन के समय वह हजारों लोगों की साझी आस्था और भावनाओं का केंद्र बन जाती है। यही गणेश विसर्जन की सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता है। यही भव्य दृश्य आगामी (25 सितंबर) अनंत चतुर्दशी को फिर देखने को मिलेगा।

सामूहिकता-साझेदारी का उत्सव

गणेशोत्सव की खूबसूरती केवल प्रतिमा की स्थापना और पूजा में नहीं बल्कि उसके आस-पास निर्मित होने वाली सामुदायिक दुनिया में भी है। मुहल्ले में मंडप लगाना, मिलकर सजावट करना, सामूहिक रूप से प्रसाद तैयार करना और फिर मिलकर आरती में शामिल होना, वास्तव में गणेश स्थापना से लेकर गणेश विसर्जन तक एक लंबा सांस्कृतिक उल्लास लोगों के बीच छाया रहता है। यह उल्लास विसर्जन के समय चरम पर पहुंचकर भावुक विदाई में बदल जाता है। अगर गणेश विसर्जन को ध्यान से देखें तो लगता ही नहीं कि यह किसी मूर्ति का विसर्जन है। ऐसे लगता है जैसे अपने किसी अत्यंत प्रिय से हम बिछड़ रहे हों। गणेश-प्रतिमा विसर्जन के समय सामूहिकता का सौंदर्य देखने लायक होता है। कोई प्रतिमा उठता है, कोई रास्ता साफ करता है, कोई पानी बांटता है, कोई ढोल बजाता है, कोई फूल बरसाता है, कोई पीछे चल रहे बच्चों का ध्यान रखता है, यह समूचा उल्लास सामूहिकता और साझेदारी का उत्सव होता है।



मिट जाते हैं सभी भेदभाव

गणेश विसर्जन भारतीय समाज की उस पुरानी परंपरा को जीवित करता है, जिसमें उत्सव केवल देखने की चीज नहीं है, मिलकर जीने का आयोजन होता है। सामान्य दिनों में भले भारतीय समाज की सामाजिक संरचना में जाति, वर्ग, पेशा और आर्थिक स्थिति की अनेक दूरियां दिखाई पड़ती हों, लेकिन गणपति पूजा में यह कहीं नहीं दिखती।

किसी हाथ में आरती की थाली होती है, तो कोई रस्सी पकड़कर प्रतिमा के साथ चल रहा होता है, कोई ढोल बजा रहा

होता है और कोई नृत्य कर रहा होता है। यहां व्यक्ति की सामाजिक पहचान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी साझी भागीदारी बन जाती है। यही वजह है कि गणेशोत्सव सिर्फ पूजा का पर्व नहीं बल्कि सामाजिक मेल-जोल का सार्वजनिक उत्सव होता है।

पीढ़ियों को जोड़ता उत्सव

गणेश विसर्जन सांस्कृतिक उत्सव कई पीढ़ियों को एक साथ जोड़ देता है। बुजुर्गों के पास परंपरा की स्मृतियां होती हैं, युवाओं के पास ऊर्जा और आयोजन की जिम्मेदारी संभालने का भाव होता है। बच्चे पूरे उत्सव में उत्सुकता और विस्मय के साथ भागीदार रहते हैं। एक बुजुर्ग जब बच्चे को समझाता है कि गणपति की स्थापना क्यों की जाती है और विसर्जन का अर्थ क्या है, तो यह सिर्फ एक धार्मिक जानकारी नहीं होती। यह उस

विशेष: अनंत चतुर्दशी, 25 सितंबर

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सैकड़ों ढोल की थाप, सामूहिक जयघोष और भक्तों की नम आंखों के बीच गणपति बप्पा की विदाई केवल एक प्रतिमा का विसर्जन नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और अपनत्व का उत्सव भी होता है। हजारों हाथ जब बप्पा को विदा करते हैं, तो हर कदम में परंपरा, साझेदारी और अगले बरस लौटने की उम्मीद साथ चलती है।

सांस्कृतिक स्मृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का जरिया होती है, जो ऐसी ही परंपराओं से मिलती है। इस तरह हर साल होने वाला विसर्जन परंपरा की पुनरावृत्ति के साथ-साथ उसके हस्तांतरण का भी अवसर बन जाती है।

विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास

गणपति विसर्जन का सबसे भावुक क्षण वह होता है, जब भक्त गणपति की प्रतिमा को विदा करते हैं, लेकिन इस विदाई में स्थाई वियोग का भाव नहीं होता। क्योंकि विदाई के दौरान जो जयकारा लगता है, उसमें विदाई के साथ-साथ वापसी का निवेदन कहीं ज्यादा मुखर होता है, ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ।’ यह जयघोष भारतीय संस्कृति के एक गहरे जीवनदर्शन को व्यक्त करता है। यहां विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास मौजूद होता है। इसलिए विसर्जन का दुःख अगले आगमन की प्रतीक्षा के एहसास में कम हो जाता है। मिट्टी की प्रतिमा का पानी में विलीन होना भी इसी भाव को विस्तार देता है, जिस मिट्टी से आकृति बनी, वह फिर प्रकृति में लौट जाती है। प्रतीकात्मक रूप में यह प्रक्रिया यह बताती है कि रूप बदलता है, लेकिन संबंध और स्मृति बने रहते हैं।

गढ़ते हैं जीवंत लोक-संस्कृति

गणेश विसर्जन केवल धार्मिक जुलूस नहीं होता। ढोल-ताशे, लोकगीत, नृत्य, पारंपरिक वाद्य और सामूहिक जयघोष यह सब मिलकर एक जीवंत लोक-संस्कृति गढ़ते हैं। महाराष्ट्र में विशेषकर ढोल, ताशा तथा विसर्जन यात्रा का हिस्सा होते हैं। उनकी यह सामूहिक लय केवल संगीत नहीं पैदा करती बल्कि साथ चल रही भीड़ को भी एक रिश्ता, एक साझी ताल देती है। हजारों कदम जब एक ही ताल पर उठते हैं और एक ही ताल पर जमीन में गिरते हैं, तो व्यक्ति भीड़ का एक हिस्सा भर नहीं रहता बल्कि सामूहिक अनुभव का सहभागी बन जाता है। गणेश विसर्जन में यही सांस्कृतिक अनुभव हर कोई महसूस करता है।

साझी भावनाओं का सांस्कृतिक प्रदर्शन

गणेश प्रतिमा भले किसी एक परिवार ने स्थापित की हो या किसी सार्वजनिक मंडल ने, पर उसकी विदाई सामूहिक होती है। विसर्जन यात्रा जहां-जहां से गुजरती है, वहां-वहां के लोग इसका हिस्सा हो जाते हैं, फिर भले चाहे वो कुछ कदम चलकर इससे अलग हो जाएं। विसर्जन जुलूस जहां से गुजरता है, वह अजनबी भीड़ के रूप में नहीं गुजरता बल्कि हर जगह मौजूद लोग इसमें शामिल हो जाते हैं। इसलिए विसर्जन वास्तव में प्रतिमा को महज पानी में प्रवाहित करने की प्रक्रिया नहीं है, यह साझी आस्था, साझी जिम्मेदारी और साझी भावनाओं का सामूहिक और सांस्कृतिक प्रदर्शन है। *

डिजिटल इंपैक्ट

डी. जे. नंदन

एक समय था, जब बॉलीवुड सितारों की लोकप्रियता का पैमाना सिनेमाघरों के बाहर लगी भीड़, फिल्मी पत्रिकाओं के कवर और टीवी इंटरव्यू हुआ करते थे। किसी अभिनेता की फिल्म रिलीज होती थी, तो शहरों की दीवारें उसके पोस्टर से ढक जाती थीं। आज का दौर उस दौर से बिल्कुल अलग है। अब किसी भी फिल्म की सफलता का पहला संकेत टिकट खिड़की पर नहीं बल्कि इंस्टाग्राम रीलस, यू-ट्यूब शॉर्ट्स और एक्स (ट्विटर) के ट्रेंडिंग हैशटैग में दिखाई देता है। बदल गई स्टारडम की परिभाषा: बॉलीवुड में स्टारडम का गणित इस सोशल मीडिया के युग में पूरी तरह से बदल चुका है। आज किसी अभिनेता की लोकप्रियता का पैमाना, सिर्फ उसकी अभिनय क्षमता नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर उसकी फैन फॉलोइंग मानी जाती है। आज के इस डिजिटल दौर में फैन आर्मी और सोशल मीडिया पर पैदा होने वाले बज से किसी भी स्टार का असली स्टारडम तय होता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, अब हिंदी फिल्मों की खोज और दर्शकों को सिनेमाघरों तक पहुंचाने वाले सबसे प्रभावी माध्यमों में गिने जा रहे हैं। फैन आर्मी में बदला फैन क्लब: 1990 और 2000 के दशक में फिल्म स्टार्स के फैन क्लब हुआ करते थे। वे पोस्टर लगाते थे, अपने पसंदीदा एक्टर का जन्मदिन मनाते थे और कभी-कभी वो थिएटर के बाहर जहां उनके फेवरेट एक्टर की फिल्म लगी होती थी, वहां जश्न मनाया करते थे। लेकिन आज यही फैन क्लब, फैन आर्मी में तब्दील हो चुके हैं। किसी फिल्म का टीजर आते ही उस फिल्म के एक्टर के हजारों प्रशंसक उसे सोशल मीडिया में शेयर करते हैं। पहले जो चर्चा गली-गली तक पहुंचने के लिए कई दिन और कई हफ्तों लिया करती थी, आज वह चर्चा सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के बीच कुछ ही घंटों में पहुंच जाती है।

इनसे प्रूफ होता है सोशल मीडिया इंपैक्ट

‘अल्फा’ का टीजर और डिजिटल ट्रैकिंग: कुछ समय पहले आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म ‘अल्फा’ का टीजर आते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई। कई बड़े सितारों ने सार्वजनिक रूप से इसकी सरहना की, जिससे फिल्म को अत्यधिक डिजिटल बढत मिल गई। यू-ट्यूब फैनफेस्ट: वरुण धवन ने यू-ट्यूब फैनफेस्ट में अपनी फिल्म के गीत का लाइव प्रार किया है।यह दिखाता है कि डिजिटल आयोजनों का महत्व अब पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस से ज्यादा हो गया है। वायरल वीडियो का इंपैक्ट: 2026 के गणतंत्र



दिवस रिहर्सल में सेनिकों का एक बॉलीवुड गीत पर मार्च करते हुए वीडियो वायरल हुआ और पुराने हिट गीत को एक झटके में नई पीढ़ी तक पहुंचा दिया गया। इस तरह सोशल मीडिया पुराने कंटेंट को भी लोकप्रिय बनाने में देर नहीं लगाना। इंपलूएंसर मार्केटिंग: फिल्म निर्माता, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब इंप्लूएंसर्स के साथ साझेदारी कर रहे हैं ताकि पारंपरिक विज्ञापनों से आगे सीधे युवाओं तक पहुंच सकें। हालिया बॉलीवुड अध्ययनों के अनुसार यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम और कुछ एप्स अब दबक्यों को फिल्म देखने के लिए प्रेरित करने लगे हैं।

दूसरों की सलाह या उपदेश पर निर्भर होना या अपने जीवन के सवालों के जवाब हमेशा किसी और से पूछना, सही नहीं है। यह प्रवृत्ति क्यों लोगों में देखी जाती है? इसके बजाय हमें किस तरह अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम बनना चाहिए, आप जरूर जानना चाहेंगे।

खुद ही तलाशने चाहिए जीवन के सवालों के जवाब

सेल्फ मोटिवेशन

वीरेंद्र बहादुर सिंह

हमारे जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम अपने हर छोटे-बड़े सवाल का जवाब दूसरों से चाहते हैं। पढ़ाई किस विषय में करें, नौकरी कहाँ करें, विवाह किससे करें, किस रास्ते पर चलें, कौन-सा निर्णय सही होगा? इन सबका फैसला भी अक्सर हम किसी और की राय से लेते हैं। मानो कोई दूसरा व्यक्ति हमारे जीवन की पूरी किताब पढ़ चुका हो और हमें हमसे बेहतर जानता हो। सवाल है, लोग अपने जीवन के निर्णय लेने के लिए दूसरों से सलाह या उपदेश क्यों लेना चाहते हैं?

आकर्षित करते हैं उपदेश

अक्सर लोग इसलिए उपदेश सुनना या दूसरों की सलाह मानना पसंद करते हैं, क्योंकि इससे जिम्मेदारी किसी और पर डालना आसान हो जाता है। अगर निर्णय सफल हुआ तो गाइड करने वाले की महानता और अगर असफल हुआ तो दोष भी उसी पर डाल देना आसान होता है। इस प्रकार व्यक्ति स्वयं सोचने और अपने निर्णय की जिम्मेदारी लेने से बच जाता है। दूसरी बात, जब इंसान किसी समस्या का सामना करते हुए मानसिक रूप से टूटता है तो उसके भीतर असुरक्षा का भाव भी पैदा होता है। तब उसका मन किसी व्यक्ति, किसी विचारधारा, किसी गाइड या किसी समूह की छाया तलाशने लगता है ताकि उसे फिर से मानसिक सुरक्षा मिल सके।



विचारधारा को अपनाना चाहिए और किसे छोड़ देना चाहिए? ऐसे उपदेश सुनने में सरल लगते हैं। अगर कोई इंसान ऐसे किसी के भी उपदेश को बिना सोचे-विचारे मानने लग जाए, तो उसकी स्वतंत्र सोच और निर्णय लेने की क्षमता धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है।

गाइड के तौर पर लें सलाह

दूसरों के अनुभव हमारे लिए दिशासूचक संकेत हो सकते हैं, लेकिन वे हमारी मंजिल तय नहीं कर सकते। जैसे संकेत किनारे लगा बोर्ड केवल दिशा बताता है, यात्रा हमारे स्थान पर नहीं करता, उसी प्रकार विद्वानों, गुरुओं, शिक्षकों और अनुभवी लोगों का काम केवल रास्ता दिखाना है। उस रास्ते पर चलना या न चलना हमारा निर्णय होना चाहिए।

स्वविवेक से ही लें निर्णय

अच्छे विचार वही हैं, जो व्यक्ति को भीतर से बदल दें, उसकी दृष्टि को व्यापक बना दें और उसे अधिक संवेदनशील, अधिक स्वतंत्र तथा अधिक जिम्मेदार बना दें। दूसरों की बातें सुनिए, उनके अनुभवों से सीखिए, महान ग्रंथ पढ़िए, श्रष्ट विचारकों का अध्ययन कीजिए, लेकिन किसी की बात को अंतिम सत्य मानकर अपनी सोच बंद मत कीजिए। याद रखिए, जीवन का सबसे बड़ा गाइड अंततः हमारा विवेक और अपना अनुभव ही होता है। कहने का मतलब है कि जीवन के हर महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर बाहर यानी दूसरों की सलाह में नहीं, हमारे ही भीतर छिपा होता है। उसे खोजने का श्रम हमें स्वयं करना पड़ता है। वही श्रम हमें परिपक्व बनाता है, वही आत्मविश्वास देता है और वही वह शाश्वत संतोष प्रदान करता है जिसे कोई तैयार उपदेश कभी नहीं दे सकता। *

काफी सिर्फ एक पेय नहीं है, बल्कि यह वैश्विक संस्कृति और न जाने कितनी अनेकही कहानियों का हिस्सा भी है। सुबह या शाम गरमा-गरम कॉफी पीना दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है। कॉफी बाँस को वनस्पति विज्ञान के नजरिए से देखा जाए, तो यह नाम पूरी तरह से एक भ्रांति है। कॉफी का एक छोटा पेड़ होता है, जिस पर चमकीले लाल रंग के फल लगते हैं, जिन्हें ‘कॉफी चेरी’ कहा जाता है। इन फलों के अंदर दो बीज होते हैं। जब फल पक जाते हैं, तो उनके गूदे को हटाकर इन बीजों को निकाला जाता है, जिन्हें हम भूनकर कॉफी पावडर बनाते हैं। क्या आप जानते हैं कि कॉफी से जुड़े कुछ किस्से भी बेहद मजेदार और हैरान करने वाले हैं?

कॉफी के खिलाफ महिलाओं का आंदोलन: 17वीं शताब्दी के लंदन में कॉफी हाउसेस, पुरुषों के सामाजिक जीवन का मुख्य केंद्र बन गए थे। पुरुष दिन भर घरो से बाहर रहकर कॉफी हाउसों में राजनीति, व्यापार और दर्शनशास्त्र पर चर्चा करते थे। इससे तंग आकर साल 1674 में लंदन की महिलाओं ने एक अनेखा मोर्चा खोला, जिसे हिस्ट्री में ‘द विमैस पिटीशन अगेंस्ट कॉफी’ के

पक्षी जगत

एन. के. अरोड़ा

जमीन से मीलों ऊपर उड़ते हुए कुछ पक्षी जब हजारों किलोमीटर की अपनी लंबी यात्रा पर होते हैं, तो हर समय जगें हुए नहीं होते, बीच-बीच में सोते भी हैं। फिर चाहे वे आसमान में उड़ रहे हों, उसके नीचे चारों तरफ हजारों मील तक समुद्र ही क्यों न पसर हो। यही नहीं अगर सैकड़ों किलोमीटर तेज आंधी भी चल रही होती है, तो भी उनकी सेहत पर फर्क नहीं पड़ता। वे उस समय भी उड़ते हुए अपनी जरूरी नौद ले लेते हैं। ऐसी ही अद्भुत विशेषताओं वाले पक्षियों में ग्रेट फ्रिगेटबर्ड भी शामिल है। वैज्ञानिकों ने किया अँज्वर्य: ग्रेट फ्रिगेटबर्ड पर लगातार नजर रखते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह कई-कई दिनों तक आसमान में उड़ते हुए जमीन पर नहीं उतरता और बिना रुके अपनी यात्रा जारी रखता है। ऐसा करते हुए इसके मस्तिष्क का एक हिस्सा घंटों-घंटों आराम करता है और दूसरा हिस्सा जरूरी काम यानी उड़ान को संचालन करता है। ऐसा करते समय इसकी एक आंख बंद हो सकती है और मस्तिष्क का विपरीत हिस्सा आराम कर सकता है, जबकि दूसरी आंख और मस्तिष्क का दूसरा हिस्सा संजग रहता है और अपनी परिस्थितियों तथा वातावरण पर लगातार नजर रखता है।

रोचक / शिखर चंद जैन

टेस्टी कॉफी से जुड़ी इंट्रेस्टिंग स्टोरीज



हिस्सा माना जाता था। वहाँ एक कानून था कि यदि कोई पति अपनी पत्नी को रोजाना एक निश्चित मात्रा में कॉफी उपलब्ध कराने में असमर्थ रहता था, तो पत्नी को इस आधार पर अपने पति से कानूनी रूप से तलाक लेने का पूरा अधिकार था। उस दौर में पुरुषों के लिए पत्नी के लिए कॉफी का इंतजाम करना सबसे जरूरी काम माना जाता था। *

आपको जानकर अचरज होगा कि आकाश में कई मील की ऊँचाई पर उड़ते पक्षी अपनी लंबी उड़ान के दौरान सो भी लेते हैं। उड़ते-उड़ते सोने का यह कमाल वे कैसे कर लेते हैं?

कैसे बेफिक्र होकर सोते हैं आसमान में उड़ते पक्षी



हवा का भी लेते हैं सहारा: वैज्ञानिकों ने यह भी पाया है कि ग्रेट फ्रिगेटबर्ड और लंबी उड़ान भरने वाले अन्य पक्षी उड़ते समय हवा को अपने एक सहारे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। यही कारण है कि जब वे ऊँचे आसमान में लंबी उड़ान पर होते हैं, तब बार-बार पंख नहीं फड़फड़ाते। वास्तव में समुद्र के ऊपर उठने वाली गर्म हवा और वातावरण में मौजूद हवा की धाराओं का बड़ी चतुराई से इस्तेमाल करते हुए ये पक्षी उसमें ग्लाइडिंग करते हैं। यह ऊर्जा बचाने और लगातार उड़ान के बावजूद न थकने का एक सीक्रेट तरीका भी है। जैसे कोई ग्लाइडर

विमान, हवाओं की धाराओं का इस्तेमाल करते हुए कम या बिल्कुल कम ऊर्जा का इस्तेमाल करके उड़ान की दूरी तय कर सकता है। उसी तरह ये पक्षी भी वातावरण की ऊर्जा को अपने हित में इस्तेमाल करने की जुगत जानते हैं। ऐसे लेते हैं हवा में नौद: वैज्ञानिकों ने अब तक जो स्टडी की है, उसके आधार पर आसमान में लंबी उड़ान के दौरान पक्षियों की नौद सीमित तथा नियंत्रित होती है। इसे वैज्ञानिकों ने ‘स्लो वेब स्लीप’ माना है और पाया है कि उड़ान के दौरान इनकी यह नौद जमीन पर उनके सोने की तुलना में बिल्कुल अलग होती है।